

12 повелений Христа

1. Покаяние

Основной текст: Марк 1:15

Доп. ссылки: Марк 16:15-16; Лук. 13:3

Уверенность в спасении

Ин. 3:16, 18; Ин. 6:47

Вера в исповедание Иисуса как Господа

Мф. 10:32; Отк. 3:5; Рим. 10:9-10

2. Важность постоянной личной молитвы

Основной текст: Мф. 6:5-13

Доп. ссылки: Лук. 18:1-8; Марк 1:35

3. Чтение и изучение Слова Божьего

Основной текст: Мф. 4:1-11

Доп. ссылки: Ин. 7:15; Мф. 22:29; Ис. Нав. 1:8

4. Христианское общение

(богослужение, домашние группы)

Основной текст: Лук. 4:16; Евр. 10:25

Доп. ссылки: Деян. 2:42; Исх. 20:8-11

5. Причастие

Основной текст: Мф. 26:26-28

Доп. ссылки: Деян. 2:42-47; 1 Кор. 11:23-34

6. Крещение

Основной текст: Мф. 28:18-20

Доп. ссылки: Марк 16:15-16; Мф. 3:13-17;

Деян. 2:41, 8:35-38, 10:47-48, 22:15-16

7. Исполнение Духом Святым

Основной текст: Ин. 20:19-22; Деян. 1:8

Доп. ссылки: Ин. 10:10; Еф. 5:18

8. Любовь к Богу и людям

Основной текст: Мф. 22:35-40

Доп. ссылки: Ин. 13:34-35; 1 Ин. 4:7-8

9. Исповедание грехов и святость

Основной текст: Ин. 8:1-11

Доп. ссылки: Мф. 5:23-24; Иак. 5:16; 1 Ин. 1:9;

Деян. 19:18-20; Пс. 31:1-5

10. Воспитание учеников

Основной текст: Мф. 28:19-20

Доп. ссылки: Марк 16:15-16; Лук. 24: 46-47; Деян. 1:8

11. Служение дарами

Основной текст: Мф. 20:28, Мф. 10:7-8

Доп. ссылки: Ин. 13:1-17; Лук. 22:24-27

12. Служение финансами

Основной текст: Мф. 25:31-46,

Доп. ссылки: Мф. 6:24-34, 16:26; Лук. 12:15-21, 21:1-4;

Мал. 3:10

ЗАМЕТКИ

